सोमवार MONDAY 23 अप्रैल 2018

फरीदाबाद केसरी

पुलिस कर्मियों को दी बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग

पुलिस कर्मियों को ट्रैनिंग देते हुए डाक्टर।

फरीदाबाद, 22 अप्रैल (ब्यूरो): यूनिवर्सल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के माध्यम से आपातकालीन स्थिति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए तथा जीवन रक्षक (बेसिक लाईफ सपोर्ट) प्रशिक्षण के लिए पुलिस कर्मियों के लिए ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन बदरपुर थाने में किया गया।

इस अवसर पर सुधांशु धामा आईपीएस, एवं एसएचओ अजय सिंह भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। डा. शैलेश जैन ने बताया कि मरीजों को निकटत अस्पताल ले जाने से पहले आपातकाल के समय किया गया इलाज मरीज की जान बचाने में सहायक सिद्ध हो सकता है। डा. शैलेश जैन ने कहा कि अगर मरीज की सांस रुक गई हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिम सांस दी जा सकती है। अगर मरीज बेहोश है तो उसको किस तरीके से इस अवस्था के दौरान मरीज की सहायता की जा सकती है। अगर आपदा के वक्त इस तकनीक की सहायता ले तो मरीज को नया जीवन दान दिया जा सकता है।

हरिभूमि

नई दिल्ली , शनिवार, 20 अप्रैल 2013

पुलिस को इमरजेंसी ट्रेनिंग दी

फरीदाबाद। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफहेल्थ साइन्सेस आमजन को अपनी सेहत के प्रति जागरूक रखने के लिये ट्रैनिंग ''इमरजेंसी 2013'' का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत किसी भी प्राकृतिक या शारीरिक आपदा एक्सीडेंट, फायर, सर्पदंश इत्यादि आपदा से निपटने की ट्रैनिंग दी जाती है। यह ट्रैनिंग स्कूल, फायर डिपार्टमेंट एवं ट्रैफिक पुलिस के लिये आयोजित की जा रही है। इसी श्रृंखला के अन्तर्गत यूसीएचएस द्वारा आज पुलिस लाइन सैक्टर-30 फरीदाबाद में ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों के लिये बेसिक लाइफसेविंग एवं फर्स्ट एंड ट्रैनिंग दी गई। इस असवर पर मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस उपयुक्त हेडक्वाटर विनोद कौशिक ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं फरीदाबाद के एसएचओ ट्रैफिक सत्यबीर सिंह कार्यक्रम में विष्ठि उपस्थित थे। कौशिक ने कहा कि यूसीएचएस ने फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस के भी जवानों तथा अफसरों को बेसिक लाइफसेविंग ट्रैनिंग देने का बीड़ा उठाया है। शीघ्र ही फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस देश की पहली ट्रैफिक पुलिस होगी जो बेसिक लाइफसेविंग अनुभवी होगी होंगे।

18 अप्रैल, 2013

फरीदाबाद केसरी

प्राइवेट अस्पतालों में कोर्सेस की ट्रेनिंग कराते हुए । (छाया: पंजाब केसरी)

बेसिक लाइफ सेविंग ट्रेनिंग का आयोजन

फरीदाबाद, (राकेश देव) । यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफहेल्थ साइन्सेस पैरामेडिकल एवं नर्सिंग के एडवान्स कोर्सेस एवं टर्शरी केयर सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में कोर्सेस की ट्रेनिंग करवाता है।

यू.सी.एच.एस. क्यू.सी.आई. (क्वालिटी काउन्सिल ऑफइण्डिया) इन्टरनेशनल एक्रिडिटेशन आर्गेनाइजेशन (आई.ए.ओ.) तथा अमेरिकन सेफ्टी एवं हेल्थ इन्स्टीट्यूट से मान्यता प्राप्त है।यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ हेल्थ साइन्सेस आमजन को अपनी सेहत के प्रति जागरूक रखने के लिये ट्रेनिंग ''इमरजेंसी 2013'' आयोजित करवाता है, जिसके अन्तर्गत किसी भी प्राकृतिक या शारीरिक आपदा से निपटने की ट्रेनिंग दी जाती है। यह टेऊनिंग स्कूल, फायर डिपार्टमेंट एवं टैऊफिक पुलिस के लिये आयोजित की जा रही है। इसी श्रृंखला के अन्तर्गत यू.सी.एच.एस. द्वारा दिनांक 17 अप्रैल, दिन बुधवार को एन.आई.टी. फरीदाबाद के अग्निशमन केन्द्र में अग्निशमन कर्मचारियों के लिये बेसिक लाइफसेविंग टेऊनिंग का आयोजन किया गया।

अग्निशमन कर्मचारियों को आपदा से निपटने की टेऊनिंग प्ब्न् कंसल्टेंट डॉ0 चिरंजीव देब द्वारा दी गई। यू.सी.एच.एस. कम्पनी वर्कर्स तथा हेल्थकेयर वर्कर्स को बी.एल.एस. तथा ए.सी.एल.एस. की टेऊनिंग प्रदान करता है। यू.सी.एच.एस. के प्रेसीडेंट डॉ0 शैलेश जैन के अनुसार किसी भी दुर्घटना के पश्चात् यदि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया जाए तो दुर्घटना से होने वाले मृत्यु की संख्या कम की जा सकती है।

Indian Express
18 Apr. 2013

नवभारत टाइम्स

शनिवार | अप्रैल 20

ट्रैफिक पुलिस को दी ट्रेनिंग

NBT

पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग देते सर्वोदय हॉस्पिटल के डाक्टर

एनबीटी न्यूज ||

फरीदाबाद : सेक्टर-30 स्थित पुलिस लाइन में शुक्रवार को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ हेल्थ साइंसेज की ओर से ट्रैफिक पुलिस को बेसिक लाइफ सेविंग व फर्स्ट ऐड की ट्रेनिंग दी गई। कार्यक्रम में डीसीपी हेडक्वॉर्टर विनोद कौशिक बतौर चीफ गेस्ट और एसएचओ ट्रैफिक सत्यवीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। मूलचंद एंड सर्वोदय के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलेश जैन के मुताबिक, यह ट्रेनिंग फायर कर्मचारी, ट्रैफिक पुलिस, स्टूडेंट्स को दी जा रही है। ट्रैफिक पुलिस की अगली ट्रेनिंग 7 मई को होगी।

परफेक्ट खबर

नई दिल्ली, 22 से 28 अप्रैल, 2013

''इमरजेंसी 2013'' का आयोजन

परफेक्ट खबर, फरीदाबाद। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ हेल्थ साइन्सेस ने आम लोगों को अपनी सेहत के प्रति जागरूक रखने के लिये ट्रैनिंग ''इमरजेंसी 2013'' का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत किसी भी प्राकृतिक या शारीरिक आपदा एक्सीडेंट, फायर, जैसी आपदा से निपटने की ट्रैनिंग दी जाती है। यह ट्रैनिंग स्कूल, फायर डिपार्टमेंट एवं ट्रैफिक पुलिस के लिये आयोजित की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों को आपदा से निपटने की ट्रैनिंग आईसीयू कंसल्टेंट डॉ० चिरंजीव देब द्वारा दी गई। यह ट्रैनिंग करीब दस चरणों में होगी। पहले चरण में करीब 25 से 30 लोगों को ट्रैनिंग दी जा रही है। मूलचंद एवं सर्वोदय के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलेष जैन के अनुसार यह ट्रैनिंग, फायर कर्मचारी, ट्रैफिक पुलिस, स्कूली छात्र-छात्राओं तथा, फरीदाबाद एन.सी.आर. के नर्सिंग होम के स्टाफ को दी जा रही है। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ हेल्थ साइन्सेस पैरामेडिकल एवं नर्सिंग के एडवान्स कोर्सेस एवं टर्शरी केयर सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में कोर्सेस की ट्रेनिंग करवाता है। इस असवर पर मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस उपयुक्त हेडक्वाटर विनोद कौशिक ने कार्यक्रम का शुभांरभ किया एवं फरीदाबाद के एस.एच.ओ. ट्रैफिक सत्यबीर सिंह कार्यक्रम में विष्ठि उपस्थित थे।

इंसाफ टाइम्स, राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

फरीदाबाद, बुधवार 8 मई, 2013

यूसीएचएस द्वारा इमरजेन्सी 2013 का आयोजन

फरीदाबाद। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ हेल्थ साइन्सेस द्वारा जागरूकता के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'एमरजेंसी 2013' के तहत द्वितीय चरण का आयोजन सेक्टर-30 पुलिस लाईन में किया गया, जिसमें ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों ने भाग लिया। यह ट्रेनिंग स्कूल, फायर डिपार्टमेंट एवं ट्रैफिक पुलिस के लिये आयोजित की जा रही है।ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों को आपदा से निपटने की ट्रेनिंग हार्ट सर्जन डॉ0 शैलेश जैन तथा डॉ0 चिरंजीव देब द्वारा दी गई, जिसमें ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों को यह विस्तार से समझाया गया कि यदि मरीज़ की हृदय गति रूक गई है तो किस प्रकार मरीज को पुर्नजीवित करने की कोशिश की जानी चाहिये। अगर मरीज की सांस रूक गई है तो किन-किन तरीकों से मरीज को कृत्रिम सांस दी जा सकती है। इसी क्रम में फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस के भी जवानों तथा अफसरों को बेसिक लाइफ सेविंग ट्रेनिंग देने का बीड़ा उठाया है। शीघ्र ही फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस देश की पहली ट्रैफिक पुलिस होगी जो बेसिक लाइफ सेविंग अनुभवी होगी होंगे। अगर मरीज का एक्सीडेंट हो गया है तो किस तरीके से गोल्डन हॉवर्स (30 मिनट) के दौरान मरीज की सहायता की जा सकती है। डॉ0 चिरंजीव ने बताया, कि अगर यह सामान्य तरीके जिन्हें कोई भी आसानी से सीख सकता है। अगर आपदा के वक्त इनकी सहायता ले तो एक नई जान दी जा सकती है। यह ट्रैनिंग करीब 10-12 चरणों में होगी। एक चरण में करीब 25-30 लोगों को ट्रैनिंग दी जा रही है। मूलचंद एवं सर्वोदय के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलेष जैन के अनुसार यह ट्रेनिंग, फायर कर्मचारी, ट्रैफिक पुलिस, स्कूली छात्र-छात्राओं तथा फरीदाबाद, एन.सी.आर. के नर्सिंग होम के स्टाफ को दी जा रही है।

नेशनल दुनिया
बुधवार 11 सितंबर 2013
17

नर्सिंग-पैरामेडिकल कर्मियों को बताए गुर

नेशनल दुनिया

फरीदाबाद। यूनिवर्सल कॉलेज ऑफ हेल्थ साइन्सेस द्वारा फोर्टिस हॉस्पिटल में कंटीन्यूइंग एजुकेशनल प्रोग्राम का आयोजन नर्सिंग एवं पैरामेडिकल प्रोफेशनल्स के लिए किया गया।

कार्यक्रम में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के महासचिव डा. नरेन्द्र सैनी मुख्य अतिथि, फोर्टिस हॉस्पिटल के निदेशक डा. अमित धवन, ईएसआई ओखला के विशेषज्ञ डा. गौतम विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में दिल्ली, फरीदाबाद तथा एनसीआर के नर्सिंग सुपरिन्टेंडेंट नर्सिंग कॉलेज के प्रिंसिपल तथा सुपर स्पेशएलिटी अस्पतालों के पैरामेडिकल टेक्निशियन इंचार्ज व स्टाफ उपस्थित थे। अपोलो स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल लोवन्या नन्नदन तथा नर्सिंग सुपरिन्टेण्डेंट सीमा विलशन ने नर्सिंग व पैरामेडिकल शिक्षा पर चर्चा की।

यूसीएचएस इंडिया पैरामेडिकल एवं सुपरस्पेशिएलिटी नर्सिंग के एडवांस कोर्स की टर्शरी केयर सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में ट्रेनिंग करवाता है।

यूसीएचएस, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इण्डिया, इंटरनेशनल एक्रीडिटेशन आर्गेनाइजेशन तथा अमेरिकन सेफ्टी एवं हेल्थ इंस्टीट्यूट द्वारा मान्यता प्राप्त है।

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला

- दिल्ली, फरीदाबाद के विशेषज्ञों ने की शिरकत
- इंडियन मेडिकल एसो. के महासचिव थे मुख्य अतिथि

यूसीएचएस सरकारी तथा प्राइवेट स्कूलों के छात्रों, कम्पनी वकर्स को बीपीएस तथा एसीएलएस की ट्रेनिंग प्रदान करता है। यूसीएचएस में हाल ही में केंम्पस प्लेसमेंट इन्टरव्यू करवाया गया है, जिसमें कोर्स के दौरान करीब पन्द्रह बच्चों को टर्शरी केयर अस्पताल में नौकरी दिलाई गई है।

BLS, Fire /
16th may 2013

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 18 मई 2013

अग्निशमन कर्मचारियों को दिए आपदा से निपटने का प्रशिक्षण

यूसीएचएस के डा. चिरंजीव देव अग्निशमन कर्मचारियों को प्रशिक्षण देते हुए।

जासंकें, फरीदाबाद :यूनीवर्सिटी कालेज आफ हेल्थ साईस (यूसीएचएस) के तत्वावधान में शुक्रवार को एनआइटी फरीदाबाद के अग्निशमन केंद्र पर अग्निशमन कर्मचारियों को आपदा से निपटने की डा. शैलेश जैन तथा डा. चिरंजीव देव ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अग्निशमन कर्मचारियों को विस्तार से समझाया गया कि यदि मरीज की हृदय गति रुक जाती है तो किस प्रकार मरीज को चिकित्सा सहायता दी जा सकती है। मरीज की सांस रुक गई है तो किन-किन तरीकों से उसे कृत्रिम सांस दी जा सकती है। इससे पहले यातायात पुलिस को भी बेसिक जीवन रक्षक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उसमें उन्हें बताया जा रहा है कि दुर्घटना में घायल मरीज की किस तरह गोल्डन आवर्स (पहले 30 मिनट) के दौरान सहायता की जा सकती है। डा. चिरंजीव ने बताया कि यह सामान्य तरीके हैं, जिन्हें कोई भी व्यक्ति आसानी से सीख सकता है। अगर आपदा के वक्त इनकी सहायता ली जाए तो कई लोगों को नई जिंदगी दी जा सकती है।

फरीदाबाद केसरी

20 अप्रैल, 2013
शनिवार

यातायात पुलिस ने उठाया जीवन रक्षक उपचार प्रशिक्षण का बीड़ा

फरीदाबाद, (अंकुर,राकेश):इस मौके पर डीसीपी विनोद कौशिक ने कहा कि यूसीएचएस ने फरीदाबाद यातायात पुलिस के जवानों और अधिकारियों को प्राथमिक जीवन रक्षक उपचार का प्रशिक्षण देने का बीड़ा उठाया है। शीघ्र ही फरीदाबाद यातायात पुलिस देश की पहली यातायात पुलिस होगी, जिसे प्राथमिक जीवनरक्षक उपचार देने का अनुभवी होगा। श्री कौशिक आज इमरजेंसी 2013 प्रशिक्षण अभियान को सम्बोधित कर रहे थे। इस असवर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डीसीपी मुख्यालय विनोद कौशिक ने कार्यक्रम का शुभांरभ किया। इस मौके पर यातायात थाना प्रभारी सत्यवीर सिंह विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। इसी कड़ी में शुक्रवार को सेक्टर 30 स्थित पुलिस लाइन में यातायात पुलिस के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ हेल्थ साइंसेस द्वारा लोगों को अपनी सेहत के प्रति जागरूक करने के लिये इमरजेंसी 2013 प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंर्तगत किसी भी प्राकृतिक या शारीरिक आपदा, आग्निकांड जैसी घटनाओं के दौरान घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार देने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अभियान के तहत अग्निशमन वि भाग व पुलिस के कर्मचारियों को विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यातायात पुलिस कर्मचारियों को आपदा से निपटने की प्रशिक्षण आईसीयू कंसल्टेंट डा. चिरंजीव देब द्वारा दिया। जिसमें पुलिस कर्मचारियों को यह विस्तार से समझाया गया कि यदि मरीज की हृदय गति रूक गई है तो किस प्रकार से मरीज को पुर्नजीवित करने की कोशिश की जानी चाहिये। अगर मरीज की सांस रूक गई है तो किन-किन तरीकों से मरीज को कृत्रिम सांस दी जा सकती है। अगर कोई दुर्घटनाग्रस्त हो गया है तो किस तरीके से गोल्डन हॉवर्स में (30 मिनट) के दौरान मरीज को सहायता दी जा सकती है। डा. चिरंजीव ने बताया कि यह सामान्य तरीके जिन्हें कोई भी आसानी से सीख सकता है। अगर आपदा के वक्त दी जाने वाली सहायता से किसी का जीवन बचाया जा सकता है। यह प्रशिक्षण करीब 10-12 चरणों में पूरा होगा। एक चरण में करीब 25-30 लोगों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में मौजूद मूलचंद एवं सर्वोदय के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलेश जैन के अनुसार यह प्रशिक्षण अग्निशमन कर्मचारी, यातायात पुलिस, स्कूली छात्र-छात्राओं और नर्सिंग होम कर्मचारियों दिया जा रहा है।

जीवन रक्षक उपचार का प्रशिक्षण देते हुए अतिथि।(छाया: पंजाब केसरी)

ज्योति दर्पण

32वे सूरजकुंड मेले में यूनिवर्सल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस द्वारा दी जा रही है जीवन रक्षक ट्रैनिंग

फरीदाबाद। 32वे सूरजकुंड मेले में यूनिवर्सल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के माध्यम से आपातकालीन स्थिति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए तथा जीवन रक्षक **BLS (BASIC LIFE SUPPORT** प्रशिक्षण के लिए छात्रों और आम लोगों के लिए ट्रैनिंग प्रातः 9.00 से सायः 8.00 बजे तक सिखाई जाती है। अस्पताल के प्रबंध निदेशक शैलेश जैन ने बताया की इस मेले में लगभग 1,00000 लोगो को मुफ्त प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस शिविर में हम मरीजों को निकटतम अस्पताल ले जाने से पहले आपातकाल के समय किया गया इलाज मरीज की जान बचाने में मदद करेगा। डॉ शैलेश जैन ने कहा की प्रशिक्षण कार्यक्रम को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के हिस्से के रूप मे आयोजित किया जा रहा है प्राप्त प्रशिक्षण मे एक प्रमाण पत्र दिया जायेगा। पहले से ही पुलिस और अग्निशमन कर्मियों को **BLS (BASIC LIFE SUPPORT** में प्रशिक्षित किया गया था। डॉ रीती अग्रवाल, डॉ गजेंद्र और डॉ मनीष उपस्थित थे। डॉ शैलेश जैन ने कहा की अगर मरीज की साँस रुक गई हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिम साँस दी जा सकती है। ट्रैनिंग पुलिस तथा अफसरो को बेसिक लाइफ

सपोर्ट ट्रैनिंग देने की बीड़ उठाया है। अगर मरीज बेहोश है तो उसको इस तरीके से इस अवस्था के दौरान मरीज की सहायता की जा सकती है। इस तकनीक को आसानी से सीखा जा सकता है। अगर आपदा के वक्त इस तकनीक की सहायता ले तो मरीज को नया जीवन दान दिया जा सकता है यह ट्रैनिंग हर घंटे मे आयोजित की जा रही है। डॉ शैलेश जैन के अनुसार एक चरण मे 25 ,30 लोगो को ट्रैनिंग दी जा रही है। डॉ जैन ने बताया की अगर इस तकनीक को लोग अगर सीख ले तो 60 फीसद मरीज की जान बचाई जा सकती है। यह तकनीक यूनिवर्सल अस्पताल में भी सिखाई जाती है। यूनिवर्सल हॉस्पिटल इसका सर्टिफिकेट भी उपलब्ध करता है। यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के द्वारा हिंदुस्तान मे कहीं भी कभी भी एम्बुलेंस 8800128128 पर फोन कर कर मंगाई जा सकती है।

मेले में 500 से अधिक लोग ले चुके है जीवन रक्षक ट्रैनिंग

फरीदाबाद 15 फरवरी। 32वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुण्ड मेले में जीवन रक्षक ट्रैनिंग सिखाने का आयोजन किया जा रहा है जिसमें यूनिवर्सल अस्पताल के डाक्टरो की अनुभवी टीम लोगों को इमरजैंसी, शारीरिक आपदा, आक्सीजन की कमी, फायर आपदा आदि से निपटने के कई तरह के उपाय बता रहे है। जिसे लोग काफी पंसद भी कर रहे है। यूनिवर्सल अस्पताल की टीम में डा. शैलेश जैन, डा. रीति अग्रवाल, डा. मनीष और गजेन्द्र के द्वारा लोगों को कम समय में मौत के आगोश में पहुंचने से बचने के उपाय बता रहे है। डा. शैलेश जैन ने बताया कि अगर मरीज की सांस रूक गयी हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिम सांस दी जा सकती है। अगमर मरीज बेहोश हो तो उसको किस तरीके से इस अवस्था के दौरान सहायता की जा सकती है। इस तकनीक को सिखाया जा रहा है। अगर आपदा के वक्त इस तकनीक की सहायता ली जाये तो अवश्य ही मरीज को जीवन दान मिल सकता है यह ट्रैनिंग हर घंटे में मेले में आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक मेले में लगभग 500 से अधिक लोग जीवन रक्षक ट्रैनिंग ले चुके है। उन्होंने बताया कि यूनिवर्सल अस्पताल इसके साथ एक अन्य सुविधा भी दे रहा है जो कि यूनिवर्सल केयर एम्बुलैंस है जिसे हिंदुस्तान के किसी भी कोने से फोन करने पर मंगाया जा सकता है।

फरीदाबाद / आसपास

मेले में 500 से अधिक लोग ले चुके हैं जीवन रक्षक ट्रैनिंग

फरीदाबाद, 15 फरवरी। 32वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुण्ड मेले में जीवन रक्षक ट्रैनिंग सिखाने का आयोजन किया जा रहा है जिसमें यूनिवर्सल अस्पताल के डाक्टरो की अनुभवी टीम लोगों को इमरजैंसी, शारीरिक आपदा, आक्सीजन की कमी, फायर आपदा आदि से निपटने के कई तरह के उपाय बता रहे है। जिसे लोग काफी पंसद भी कर रहे है।

यूनिवर्सल अस्पताल की टीम में डा. शैलेश जैन, डा. रीति अग्रवाल, डा. मनीष और गजेन्द्र द्वारा लोगों को कम समय में मौत के आगोश में पहुंचने से बचने के उपाय बता रहे हैं। डा. शैलेश जैन ने बताया कि अगर मरीज की सांस रूक गयी हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिम सांस दी जा सकती है। अगमर मरीज बेहोश हो तो उसको किस तरीके से इस अवस्था के दौरान सहायता की जा सकती है। इस तकनीक को सिखाया जा रहा है। अगर आपदा के वक्त इस तकनीक की सहायता ली जाये तो अवश्य ही मरीज को जीवन दान मिल सकता है।

शेरे हरियाणा । फरीदाबाद।

जागरण सिटी फरीदाबाद

सोमवार, 19 फरवरी, 2018 8

32 वें सूरजकुंड मेले में यूनिवर्सल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस द्वारा दी जा रही है जीवन रक्षक ट्रैनिंग

-पंकज सिंह-

फरीदाबाद। 32वे सूरजकुंड मेले में यूनिवर्सल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के माध्यम से आपातकालीन स्थिति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए BLS (BASIC LIFE SUPPORT तथा जीवन रक्षक प्रशिक्षण के लिए छात्रों और आम लोगो के लिए ट्रेनिंग प्रात: 9.00 से साय: 8.00 बजे तक सिखाई जाती है। अस्पताल के प्रबंध निदेशक शैलेश जैन ने बताया की इस मेले में लगभग 1,00000 लोगो को मुफ्त प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस शिविर में हम मरीजों को निकटतम अस्पताल ले जाने से पहले आपातकाल के समय किया गया इलाज मरीज की जान बचाने में मदद करेगा। डॉ शैलेश जैन ने कहा की प्रशिक्षण कार्यक्रम को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के हिस्से के रूप मे आयोजित किया जा रहा है प्राप्त प्रशिक्षिण मे एक प्रमाण पत्र दिया जायेगा। पहले से ही पुलिस और अग्निशमन कर्मियों को BLS (BASIC LIFE SUPPORT प्रशिक्षित किया गया था। डॉ रीती अग्रवाल, डॉ गजेंदर और डॉ मनीष उपस्थित थे। डॉ शैलेश जैन ने कहा की अगर मरीज की साँस रुक गई हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिम साँस दी जा सकती है। ट्रैनिंग पुलिस तथा अफसरो को बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग देने की बीड़ा उठाया है। अगर मरीज बेहोश है तो उसको इस तरीके से इस अवस्था के दौरान मरीज की सहायता की जा सकती है। इस तकनीक को आसानी से सीखा जा सकता है। अगर आपदा के वक्त इस तकनीक की सहायता ले तो मरीज को नया जीवन दान दिया जा सकता है यह ट्रैनिंग हर घंटे मे आयोजित की जा रही है। डॉ शैलेश जैन के अनुसार एक चरण मे 25 .30 लोगो को ट्रैनिंग दी जा रही है। डॉ जैन ने वताया की अगर इस तकनीक को लोग अगर सीख ले तो 60 फीसद मरीज की जान बचाई जा सकती है। यह तकनीक यूनिवर्सल अस्पताल में भी सिखाई जाती है। यूनिवर्सल हॉस्पिटल इसका सर्टिफिकेट भी उपलब्ध करता है। यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के द्वारा हिंदुस्तान मे कही भी कभी भी एम्बुलेंस 8800128128 पर फोन कर कर मंगाई जा सकती है।

फरीदाबाद केसरी

मेले में लोग ले रहे हैं जीवन रक्षा प्रशिक्षण

सूरजकुंड मेले में जीवन रक्षक ट्रैनिंग लेते हुए लोग।

फरीदाबाद, 16 फरवरी (ब्यूरो): 32वें अंतर्राष्ट्रीय हस्तशिल्प सूरजकुंड मेले में यूनिवर्सल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के माध्यम से आपातकालीन स्थिति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए तथा जीवन रक्षक प्रशिक्षण के द्वारा छात्रों और आम लोगों को ट्रैनिंग दी जा रही है। अस्पताल के प्रबंध निदेशक शैलेश जैन ने बताया कि इस मेले में लगभग एक लाख लोगों को मुफ्त प्रशिक्षिण प्रदान किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि इस शिविर में हम मरीजों को निकटतम अस्पताल ले जाने से पहले आपातकाल के समय किया गया इलाज मरीज की जान बचाने में मदद करेगा। डा. शैलेश जैन ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के हिस्से के रूप मे आयोजित किया जा रहा है प्राप्त प्रशिक्षिण में एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इस अवसर पर डा. रीती अग्रवाल, डॉ गजेंदर और डॉ मनीष उपस्थित थे। डा. शैलेश जैन ने कहा कि अगर मरीज की सांस रुक गई हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिम सांस दी जा सकती है। ट्रैनिंग पुलिस तथा अफसरो को बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग देने की बीड़ा उठाया है।

अगर मरीज बेहोश है तो उसको इस तरीके से इस अवस्था के दौरान मरीज की सहायता की जा सकती है। इस तकनीक को आसानी से सीखा जा सकता है। अगर आपदा के वक्त इस तकनीक की सहायता ले तो मरीज को नया जीवन दान दिया जा सकता है। डा. जैन ने बताया की अगर इस तकनीक को लोग अगर सीख ले तो 60 फीसद मरीज की जान बचाई जा सकती है।

अलाईव न्यूज
ALIVE NEWS

यूनिवर्सल हॉस्पिटल ने आपदा से निपटने के लिए लोगों को दी ट्रेनिंग

Faridabad/Alive News

यूनिवर्सल हॉस्पिटल/ यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस लोगों को उनके सेहत के प्रति जागरूक करने के लिए क्राउन इंटीरियर मॉल, फरीदाबाद मे इमरजेंसी, शारीरिक आपदा, ऑक्ससीजन की कमी, फायर आपदा आदि आपदा से निपटने की ट्रैनिंग, डॉ शैलेश जैन, डॉ रीती अग्रवाल, डॉक्टर मनीष और डॉ गजेंद्र के द्वारा दी गयी. ट्रेनिंग में डॉक्टरों ने लोगों को विस्तार से समझया की अगर मरीज की हृदय गति रुक गयी हो तो किस प्रकार मरीज को पुरनजीवत करने की कोशिश की जानी चाहिए। ट्रेनिंग में बताया गया कि अगर मरीज की साँस रुक गई हो तो किस तरह से मरीज़ को कृत्रिम साँस दी जा सकती है। यूनिवर्सल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के माध्यम से बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग देने की बीड़ा उठया है। अगर मरीज बेहोश है तो उसकी कैसे मदद की जा सकती है. अगर आपदा के वक़्त इस तकनीक की सहायता ले तो मरीज को नया जीवन दान दिया जा सकता है। इस दौरान अस्पताल के चेयरमैन, डॉ शैलेश जैन ने बतया कि अगर इस तकनीक को मरीज सीख ले तो 60 फीसद मरीज की जान बचाई जा सकती है। यह तकनीक यूनिवर्सल अस्पताल में भी सिखाई जाती है, और प्रतिभागियों को यूनिवर्सल हॉस्पिटल सर्टिफिकेट भी उपलब्ध करता है। डॉ शैलेश जैन ने बतया कि यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के माध्यम से हिंदुस्तान मे कही भी कभी भी इस नंबर 8800128128 पर फ़ोन करके एम्बुलेंस मंगाई जा सकती है

अलाईव न्यूज
ALIVE NEWS

यूनिवर्सल हॉस्पिटल ने आपदा से निपटने के लिए लोगों को दी ट्रेनिंग

Faridabad/Alive News

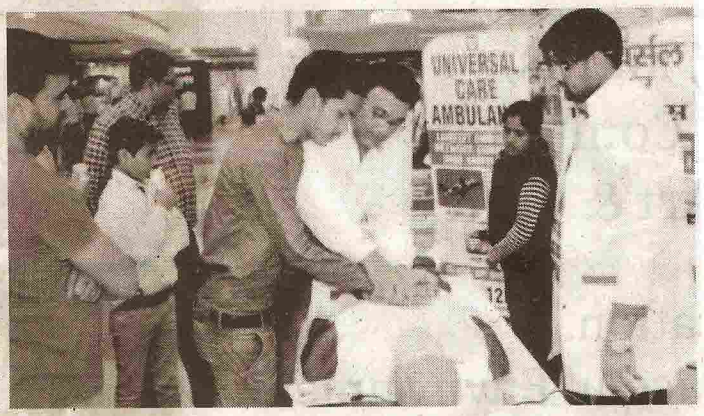

यूनिवर्सल हॉस्पिटल/ यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस लोगों को उनके सेहत के प्रति जागरूक करने के लिए क्राउन इंटीरियर मॉल, फरीदाबाद मे इमरजेंसी, शारीरिक आपदा, ऑक्ससीजन की कमी, फायर आपदा आदि आपदा से निपटने की ट्रैनिंग, डॉ शैलेश जैन, डॉ रीती अग्रवाल, डॉक्टर मनीष और डॉ गजेंद्र के द्वारा दी गयी. ट्रेनिंग में डॉक्टरों ने लोगों को विस्तार से समझया की अगर मरीज की हृदय गति रुक गयी हो तो किस प्रकार मरीज को पुरनजीवत करने की कोशिश की जानी चाहिए। ट्रेनिंग में बताया गया कि अगर मरीज की साँस रुक गई हो तो किस तरह से मरीज को कृत्रिम साँस दी जा सकती है। यूनिवर्सल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के माध्यम से बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग देने की बीड़ा उठया है। अगर मरीज बेहोश है तो उसकी कैसे मदद की जा सकती है. अगर आपदा के वक्त इस तकनीक की सहायता ले तो मरीज को नया जीवन दान दिया जा सकता है। इस दौरान अस्पताल के चेयरमैन, डॉ शैलेश जैन ने बतया कि अगर इस तकनीक को मरीज सीख ले तो 60 फीसद मरीज की जान बचाई जा सकती है। यह तकनीक यूनिवर्सल अस्पताल में भी सिखाई जाती है, और प्रतिभागियों को यूनिवर्सल हॉस्पिटल सर्टिफिकेट भी उपलब्ध करता है। डॉ शैलेश जैन ने बतया कि यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के माध्यम से हिंदुस्तान मे कही भी कभी भी इस नंबर 8800128128 पर फ़ोन करके एम्बुलेंस मंगाई जा सकती है

नई दिल्ली सोमवार, 23 अप्रैल 2018

अमर उजाला

पुलिस कर्मियों को दी लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग

फरीदाबाद। आपातकाल में जीवन रक्षक प्रशिक्षण देने के लिए पुलिस कर्मियों को 4 घंटे तक जीवन रक्षक प्रशिक्षण दिया। बदरपुर पुलिस थाने में दिए गए प्रशिक्षण में युनिवर्सल अस्पताल और एंबुलेंस की मद्द से सराहनीय प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर आईएएस सुधांशु धामा और एसएचओ अजय सिंह भी मौजूद रहे।

आपातकाल के वक्त अगर थोड़ी सी आधारभूत जानकारियों की सहायता से मरीज को बचाया जा सकता है। इसी उद्देश्य के साथ जीवन रक्षक ट्रेनिंग कैंप लगाया गया। यूनिवर्सल अस्पताल के डा. शैलेश जैन ने कहा की प्रशिक्षण कार्यक्रम को सामाजिक जिमेदारी निभाने के लिए आयोजित किया गया। ब्यूरो

आज समाज
नई दिल्ली, मंगलवार, 24 अप्रैल 2018

खबर एक्सप्रेस

पुलिस कर्मियों को दी बेसिक लाइफ स्पोर्ट ट्रेनिंग

फरीदाबाद। यूनिवर्सल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के माध्यम से आपातकालीन स्थिति के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए तथा जीवन रक्षक (बेसिक लाइफ सपोर्ट) प्रशिक्षण के लिए पुलिस कर्मियों को ट्रेनिंग दी गई। सुधांशु धामा एवं अजय सिंह भी उपस्थित रहे। डॉ. शैलेश जैन ने बताया कि मरीजों का आपातकाल के समय किया गया इलाज मरीज की जान बचाने में मदद करेगा।

फरीदाबाद केसरी

आपदा से बचाव का प्रशिक्षण ले रहे लोग

फरीदाबाद, 9 फरवरी (सूरजमल): यूनिवर्सल हॉस्पिटल/ यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस आपको अपनी सेहत के प्रति जागरूक रखने के लिए 32वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड मेला-2018 में इमरजेंसी, शारीरिक आपदा, ऑक्सीजन की कमी, फायर आपदा आदि आपदाओं से निपटने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

यह ट्रेनिंग डॉ. शैलेश जैन, डॉ. रीति अग्रवाल, डॉ. मनीष और डॉ. राजेंद्र द्वारा मेले के गेट नंबर-1 के पास दिल्ली गेट पर आयोजित की गई है। इसमें विस्तार से समझाया जा रहा है कि अगर मरीज की हृदय गति रुक गई हो तो किस प्रकार मरीज को पुनर्जीवित करने की कोशिश की जानी चाहिए। उक्त डॉक्टरों के अनुसार अगर मरीज की सांस रुक गई हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिक सांस दी जा सकती है। यूनिवर्सल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस ने बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग देने का बीड़ा उठाया है। अगर मरीज बेहोश है तो उसको किस तरीके से इस अवस्था के दौरान मरीज की सहायता की जा सकती है। इस तरीक को आसानी से सीखा जा सकता है। अगर आपदा के वक्त इस तनीक की सहायता लें तो मरीज को नया जीवन दान किया जा सकता है। यह ट्रेनिंग हर घंटे आयोजित की जा रही है। डॉ. शैलेश जैन के अनुसार एक चरण में 25-30 लोगों को ट्रेनिंग दी जा रही है। डॉ. शैलेश जैन ने बताया कि अगर इस तकनीक को मरीज सीख लें तो 60 फीयद मरीज की जान बचाई जा सकती है। यह तकनीक यूनिवर्सल अस्पताल में भी सिखाई जाती है।

प्राथमिक उपचार के बारे में जानकारी देते हुए डाक्टर।

अमर भारती
रविवार, 11 फरवरी, 2018, नई दिल्ली

यूनिवर्सल अस्पताल ने उठाया प्रशिक्षण देने का बीड़ा

अमर भारती संवाददाता

फरीदाबाद । यूनिवर्सल हॉस्पिटल / यूनिवर्सल केयर एम्जबुलेंस आपको अपनी सेहत के प्रति जागरूक रखने के लिए 32वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुण्ड मेला-2018 में इमरजेंसी, शारीरिक आपदा, ऑक्सीजन की कमी, फ़ायर आपदा आदि आपदाओं से निपटने की ट्रेनिंग दी जा रही है। यह ट्रेनिंग डा. शैलेश जैन, डा. रीति अग्रवाल, डा. मनीष और डा. राजेंद्र द्वारा मेले के गेट नंबर-1 के पास दिल्ली गेट पर आयोजित की गई है। इसमें विस्तार से समझाया

जा रहा है कि अगर मरीज की हृदय गति रुक गयी हो तो किस प्रकार मरीज को पुनर्जीवित करने की कोशिश की जानी चाहिए। उक्त डॉक्टरों के अनुसार अगर मरीज की सांस रुक गई हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिक सांस दी जा सकती है। यूनिर्वसल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस ने बेसिक लाइफ सपोर्ट

32वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुण्ड मेला-2018 में इमरजेंसी, शारीरिक आपदा, ऑक्सीजन की कमी, फायर आपदा आदि आपदाओं से निपटने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

ट्रेनिंग देने का बीड़ा उठाया है। अगर मरीज बेहोश है तो उसको किस तरीके से इस अवस्था के दौरान मरीज की सहायता की जा सकती है। इस तरीक को आसानी से सीखा जा सकता है। अगर आपदा के वक्त इस तनीक की सहायता लें तो मरीज को नया जीवन दान किया जा सकता है। यह ट्रेनिंग हर घंटे आयोजित की जा रही है। डा. शैलेश जैन के अनुसार एक चरण में 25-30 लोगों को ट्रेनिंग दी जा रही है। डा. शैलेश जैन ने बताया कि अगर इस तकनीक को मरीज सीख लें तो 60 फीयद मरीज की जान बचाई जा सकती है। यह तकनीक यूनिवर्सल अस्पताल में भी सिखाई जाती है। यूनिवर्सल हॉस्पिटल इसका प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराता है। यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के द्वारा हिन्दुस्तान में कहीं भी कभी भी एम्बुलेंस 8800128128 पर फोन करके मंगवाई जा सकती है।

गुड़गांव टुडे
गुरुग्राम, मंगलवार, 13 फरवरी 2018

यूनिवर्सल अस्पताल ने जीवन रक्षक ट्रेनिंग सिखाने का उठाया बीड़ा

अमित कनौजिया, फरीदाबाद

मरीजों का इलाज करते हुए डॉक्टर।

यूनिवर्सल हॉस्पिटल यूनिवर्सल केयर एम्जबुलेंस आपको अपनी सेहत के प्रति जागरूक रखने के लिए 32वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड मेला-2018 में इमरजेंसी, शारीरिक आपदा, ऑक्सीजन की कमी, फायर आपदा आदि आपदाओं से निपटने की ट्रेनिंग दी जा रही है। यह ट्रेनिंग डॉ. शैलेश जैन, डॉ. रीति अग्रवाल, डॉ. मनीष और डॉ. राजेंद्र द्वारा मेले के गेट नंबर-1 के पास दिल्ली गेट पर आयोजित की गई है। इसमें विस्तार से समझाया जा रहा है कि अगर मरीज की हृदय गति रुक गयी हो तो किस प्रकार मरीज को पुनर्जीवित करने की कोशिश की जानी चाहिए।

उक्त डॉक्टरों के अनुसार अगर मरीज की सांस रुक गई हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिम सांस दी जा सकती है। यूनिवर्सल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस ने बेसिक लाइफ स्पोर्ट ट्रेनिंग देने का बीड़ा उठाया है। अगर मरीज बेहोश है तो उसको किस तरीके से इस अवस्था के दौरान मरीज़ की सहायता की जा सकती है। इस तरीक को आसानी से सीखा जा सकता है। अगर आपदा के वक्त इस तनीक की सहायता लें तो मरीज को नया जीवन दान किया जा सकता है। यह ट्रेनिंग हर घंटे आयोजित की जा रही है। डॉ. शैलेश जैन के अनुसार एक चरण में 25-30 लोगों को ट्रेनिंग दी जा रही है। डॉ. शैलेश जैन ने बताया कि अगर इस तकनीक को मरीज सीख लें तो 60 फीसद मरीज की जान बचाई जा सकती है। यह तकनीक यूनिवर्सल अस्पताल में भी सिखाई जाती है। यूनिवर्सल हॉस्पिटल इसका प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराता है। यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के द्वारा हिन्दुस्तान में कहीं भी कभी भी एम्बुलेंस 8800128128 पर फोन करके मंगवाई जा सकती है।

ZEENEXT TIMES

यूनिवर्सल अस्पताल ने जीवन रक्षक ट्रेनिंग सिखाने का उठाया बीड़ा

फरीदाबाद। यूनिवर्सल हॉस्पिटल यूनिवर्सल केयर एम्जबुलेंस आपको अपनी सेहत के प्रति जागरूक रखने के लिए 32वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुण्ड मेला-2018 में इमरजेंसी, शारीरिक आपदा, ऑक्सीजन की कमी, फायर आपदा आदि आपदाओं से निपटने की ट्रेनिंग दी जा रही है। यह ट्रेनिंग डा. शैलेश जैन, डा. रीति अग्रवाल, डा. मनीष और डा. राजेंद्र द्वारा मेले के गेट नंबर-1 के पास दिल्ली गेट पर आयोजित की गई है। इसमें विस्तार से समझाया जा रहा है कि अगर मरीज की हृदय गति रुक गयी हो तो किस प्रकार मरीज को पुनर्जीवित करने की कोशिश की जानी चाहिए। उक्त डॉक्टरों के अनुसार अगर मरीज की सांस रुक गई हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिक सांस दी जा सकती है। यूनिर्वसल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस ने बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग देने का बीड़ा उठाया है। अगर मरीज बेहोश है तो उसको किस तरीके से इस अवस्था के दौरान मरीज की सहायता की जा सकती है। इस तरीक को आसानी से सीखा जा सकता है। अगर आपदा के वक्त इस तनीक की सहायता लें तो मरीज को नया जीवन दान किया जा सकता है। यह ट्रेनिंग हर घंटे आयोजित की जा रही है। डा. शैलेश जैन के अनुसार एक चरण में 25-30 लोगों को ट्रेनिंग दी जा रही है। डा. शैलेश जैन ने बताया कि अगर इस तकनीक को मरीज सीख लें तो 60 फीयद मरीज की जान बचाई जा सकती है। यह तकनीक यूनिवर्सल अस्पताल में भी सिखाई जाती है। यूनिवर्सल हॉस्पिटल इसका प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराता है। यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के द्वारा हिन्दुस्तान में कहीं भी कभी भी एम्बुलेंस 8800128128 पर फोन करके मंगवाई जा सकती है।

हाड़ौती अधिकार 'हिन्दी दैनिक'
फरीदाबाद, शनिवार, 10 फरवरी, 2018

अमर उजाला

शुक्रवार को सूरजकुण्ड मेले में यूनिवर्सल अस्पताल के चिकित्सक मेले में आये लोगों को जीवन रक्षक ट्रेनिंग सिखाते हुए। छाया : अजीत शर्मा

यूनिवर्सल अस्पताल ने जीवन रक्षक ट्रेनिंग सिखाने का उठाया बीड़ा

अधिकार संवाददाता

फरीदाबाद, 9 फरवरी। यूनिवर्सल हॉस्पिटल / यूनिवर्सल केयर एम्जबुलेंस आपको अपनी सेहत के प्रति जागरूक रखने के लिए 32वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुण्ड मेला-2018 में इमरजेंसी, शारीरिक आपदा, ऑक्सीजन की कमी, फायर आपदा आदि आपदाओं से निपटने की ट्रेनिंग दी जा रही है। यह ट्रेनिंग डा. शैलेश जैन, डा. रीति अग्रवाल, डा. मनीष और डा. राजेंद्र द्वारा मेले के गेट नंबर-1 के पास दिल्ली गेट पर आयोजित की गई है। इसमें विस्तार से समझाया जा रहा है कि अगर मरीज की हृदय गति रुक गयी हो तो किस प्रकार मरीज को पुनर्जीवित करने की कोशिश की जानी चाहिए।

उक्त डॉक्टरों के अनुसार अगर मरीज की सांस रुक गई हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिक सांस दी जा सकती है। यूनिर्वसल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस ने बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग देने का बीड़ा उठाया है। अगर मरीज बेहोश है तो उसको किस तरीके से इस अवस्था के दौरान मरीज की सहायता की जा सकती है। इस तरीक को आसानी से सीखा जा सकता है। अगर आपदा के वक्त इस तनीक की सहायता लें तो मरीज को नया जीवन दान किया जा सकता है। यह ट्रेनिंग हर घंटे आयोजित की जा रही है। डा. शैलेश जैन के अनुसार एक चरण में 25-30 लोगों को ट्रेनिंग दी जा रही है।

डा. शैलेश जैन ने बताया कि अगर इस तकनीक को मरीज सीख लें तो 60 फीयद मरीज की जान बचाई जा सकती है। यह तकनीक यूनिवर्सल अस्पताल में भी सिखाई जाती है। यूनिवर्सल हॉस्पिटल इसका प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराता है। यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के द्वारा हिन्दुस्तान में कहीं भी कभी भी एम्बुलेंस 8800128128 पर फोन करके मंगवाई जा सकती है।

मेले में पांच सौ से ज्यादा ने ली जीवन रक्षक ट्रेनिंग

फरीदाबाद। 32वें अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले में जीवन रक्षक ट्रेनिंग दी जा रही है। यूनिवर्सल अस्पताल के डॉक्टरों की अनुभवी टीम मेले में आने वाले लोगों को इमरजेंसी, शारीरिक आपदा, ऑक्सीजन की कमी, फायर आपदा आदि से निपटने के कई तरह के उपाय बता रहे है। अस्पताल की टीम में डॉ. शैलेश जैन, डॉ. रीति अग्रवाल, डॉ. मनीष और गजेंद्र के द्वारा लोगों को कम समय में मौत के आगोश में पहुंचने से बचने के उपाय बताए जा रहे है। डा. शैलेश जैन ने बताया कि अगर मरीज की सांस रूक गई हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिम सांस दी जा सकती है। इसके अलावा बेहोश होने पर मरीज को किसी प्रकार मेडिकल सहायता दी जा सकती है। डाक्टरों की टीम ने बताया कि अभी तक मेले में लगभग 500 से अधिक लोग जीवन रक्षक ट्रेनिंग ले चुके है। ब्यूरो

TIMES NATION
THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI | SATURDAY, JULY 13, 2013

AIIMS training saved jawans shot by Reds

Dwaipayan Ghosh | TNN

New Delhi: This might be a lesson for anyone who has ever donned a uniform — olive green or khaki.

Two Central Reserve Police Force (CRPF) jawans — ambushed right in the middle of a jungle in Bihar's Dumaria, one of them even shot at on the chest by Naxals — decided to recall some basic lessons they had picked up in a medical training course in Delhi last year to try and survive another day.

On Friday, as one of them was being discharged from the AIIMS Trauma Centre almost one month after that encounter, hale and fine, all he could do was thank the doctors. But he did not thank them because they had successfully operated upon him. "He thanked us because we taught them first hand how to deal with a situation when you had lost a lot of blood," said Nirmal Thakur, a public relations officer at the AIIMS Trauma Centre.

The two jawans were ambushed in Bihar's Dumaria on June 13

On June 13, CRPF recruits Ravi (31) and Birender along with others were on a routine anti-Naxal patrolling operation in Dumaria. The very same day, the Reds had attacked and hijacked a train further ahead at Jamuni. "I was leading the advance party when suddenly they attacked us. I got shot at immediately. I decided along with Birender to try and roll back but I was against allowing these men from getting my rifle. I left my carry bag and began rolling with the weapon. We carried out a 70 metre withdrawal after which I decided to get myself some medical attention as taught to me at AIIMS," said Ravi.

As had been taught to them, Ravi managed to put a tough stitch and then used a pressure bandage. Both made their 14km retreat in good time and were admitted to Patna's Rajeswari Hospital before being airlifted to AIIMS in Delhi. Ravi, who lives in Bihar with his wife and a child, said he would like to return to action soon.

Both CRPF men had undergone the training between July 31 and August 16 last year.

Three years after the AIIMS Trauma Centre began training jawans from the Army, Air Force, paramilitary organizations and even the Border Road Organization, the result of the efforts was there for all to see.

The training — consisting of how to respond to snake bites, sudden loss of blood, stroke, electrocution or hypothermia — consists not only of tough theoretical courses, but also getting trained first hand at various departments of the hospital. "Each batch consists of 30 personnel each and the aim is to ensure that the training allows the participants to survive under all occasions," said Thakur.

A doctor at the hospital said, "We are thankful Ravi has survived the bullet by using the skills that we imparted. But, we want more such personnel to become better trained so that they can guard us."

दैनिक भास्कर

फरीदाबाद, शनिवार, 20 अप्रैल, 2013

ट्रेनिंगः घायलों की जान बचाने के बताए तरीके

यूसीएचएस ने प्रथम चरण में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को किया ट्रेंड, इसके बाद स्कूल, फायर डिपार्टमेंट में भी आयोजित किए जाएंगे प्रोग्राम।

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

ट्रैफिक पुलिस के जवानों को लाइफ सेविंग के बारे में जानकारी देते डॉक्टर्स।

हादसे में घायल लोगों की जान बचाने के तरीके बताने के लिए शुक्रवार को सेक्टर-30 पुलिस लाइन में एक ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बेसिक लाइफ सेविंग एंड फर्स्ट एड ट्रेनिंग नाम के इस कार्यक्रम में ट्रैफिक पुलिस को आपदा या दुर्घटना के समय होने वाली दिक्कतों से निपटने की ट्रेनिंग दी गई।यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ हेल्थ साइंसेस की ओर से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ डीसीपी हेडक्वार्टर विनोद कौशिक ने किया। डीसीपी ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस के भी जवानों तथा अफसरों को बेसिक लाइफसेविंग ट्रेनिंग दी जा रही है।

यह दी ट्रेनिंग

ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों को आपदा से निपटने की ट्रेनिंग आईसीयू कंसल्टेंट डॉ. चिरंजीव देव ने दी। बताया कि यदि मरीज की हृदय गति रुक गई है तो किस प्रकार उसे पुनर्जीवित करने की कोशिश करनी चाहिए।अगर मरीज की सांस रुक गई है तो किन-किन तरीकों से उसे कृत्रिम सांस दी जा सकती है। एक्सीडेंट में पीड़ित को कैसे गोल्डन ऑवर्स (30 मिनट) के दौरान उसे सहायता की जा सकती है। डॉ. चिरंजीव ने बताया कि इन सामान्य तरीकों से सीख कोई भी आपदा के समय पीड़ितों की सहायता कर सकता है। यह ट्रेनिंग दस चरणों में होगी। एक चरण में करीब 30 लोगों को ट्रेनिंग दी जा रही है।मूलचंद एवं सर्वोदय के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलेष जैन के अनुसार यह ट्रेनिंग फायर कर्मचारी, ट्रैफिक पुलिस, स्कूली छात्र-छात्राओं तथा एनसीआर के नर्सिंग होम के स्टाफ को दी जा रही है।कार्यक्रम में ओजस मेडिकेयर के डॉक्टर्स तथा नर्सिंग स्टाफ द्वारा ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच की गई।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ हेल्थ साइंसेस पैरामेडिकल एवं नर्सिंग के एडवांस कोर्सेस एवं टर्शरी केयर सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में कोर्सेस की ट्रेनिंग करवाता है। कार्यक्रम में ट्रैफिक एसएचओ सत्यबीर सिंह भी मौजूद रहे।

अलाईव न्यूज
ALIVE NEWS

यूनिवर्सल अस्पताल ने सूरजकुंड मेले में दी जीवन रक्षक ट्रेनिंग

Faridabad/Alive News

यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस आपको आपकी सेहत के प्रति जागरूक रखने के लिए 32वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड मेला 2018 में इमरजेंसी, शारीरिक आपदा, ऑक्सीजन की कमी,फायर आपदा से निपटने की ट्रेनिंग दी जा रही है। यह ट्रेनिंग सूरजकुंड मेले के गेट न.-1 के पास दिल्ली गेट पर आयोजित की गई है। जिसमे विशेषज्ञ डॉक्टरों, डॉ. शैलेश जैन, डॉ.रीति अग्रवाल, डॉ. मनीष और डॉ. गेजेंद्र के द्वारा दी जा रही है। इस दौरान मीडियाकर्मियों से बात करते हुए यूनिवर्सल अस्पताल के चेयरमैन शैलेश जैन ने कहा कि कैंप में आने वाले लोगों को आपदा से बचने के बारे में विस्तार से समझाया जा रहा है। अगर मरीज की हृदय गति रूक गयी हो तो किस प्रकार मरीज को पुनर्जीवित की जानी चाहिए। डॉ. जैन ने कहा कि अगर मरीज का सॉस रूक गई हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिम सॉस दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सल अस्पताल तथा यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस ने बेसिक लाइफ सर्पाट ट्रेनिंग देने का बीड़ा उठाया है। अगर मरीज बेहोश है तो इस अवस्था उसकी कैसे सहायता की जा सकती है के बारे में बताया। अगर आपदा के वक्त इस तकनीक की सहायता ले तो मरीज को नया जीवनदान दिया जा सकता है। डॉ. शैलेश जैन ने बताया कि अगर इस तकनीक को हर कोई सीख ले तो 60 फीसदी लोगों की जान दुर्घटना से बचाई जा सकती है। यह तकनीक यूनिवर्सल अस्पताल में भी सिखाई जाती है। यूनिवर्सल हॉस्पिटल इसका सर्टिफिकेट भी उपलब्ध करता है। यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस के द्वारा हिंदुस्तान में कही भी कभी भी एम्बुलेंस 8800128128 पर फोन कर मंगाई जा सकती है।

गुड़गांव टुडे
गुरुग्राम, शुक्रवार, 16 फरवरी 2018

मेले में लोग ले रहे हैं जीवन रक्षक ट्रेनिंग

अमित कनौजिया, फरीदाबाद

32वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड मेले में जीवन रक्षक ट्रेनिंग सिखाने का आयोजन किया जा रहा है जिसमें यूनिवर्सल अस्पताल के डॉक्टरों की अनुभवी टीम लोगों को इमरजेंसी, शारीरिक आपदा, ऑक्सीजन की कमी, फायर आपदा आदि से निपटने के कई तरह के उपाय बता रहे है। जिसे लोग काफी पंसद भी कर रहे हैं।

यूनिवर्सल अस्पताल की टीम में डॉ. शैलेश जैन, डॉ. रीति अग्रवाल, डॉ. मनीष और गजेन्द्र के द्वारा लोगों को कम समय में मौत के आगोश में पहुंचने से बचने के उपाय बता रहे है। डॉ. शैलेश जैन ने बताया कि अगर मरीज की सांस रूक गई हो तो किस तरीके से मरीज को कृत्रिम सांस दी जा सकती है। अगमर मरीज बेहोश हो तो उसको किस तरीके से इस अवस्था के दौरान सहायता की जा सकती है। इस तकनीक को सिखाया जा रहा है। अगर आपदा के वक्त इस तकनीक की सहायता ली जाये तो अवश्य ही मरीज को जीवन दान मिल सकता है यह ट्रैनिंग हर घंटे में मेले में आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक मेले में लगभग 500 से अधिक लोग जीवन रक्षक ट्रैनिंग ले चुके हैं।

लोगों को इमरजेंसी, शारीरिक आपदा, ऑक्सीजन की कमी, फायर आपदा आदि से निपटने के उपाय बताते हुए डॉक्टर।

उन्होंने बताया कि यूनिवर्सल अस्पताल इसके साथ एक अन्य सुविधा भी दे रहा है जो कि यूनिवर्सल केयर एम्बुलेंस है जिसे हिंदुस्तान के किसी भी कोने से फोन करने पर मंगाया जा सकता है।

पंजाब केसरी
दिल्ली

8 मई,2013
बुधवार

ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों को सेहत बारे किया जागरुक

फरीदाबाद, (अंकुर अग्रवाल): यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफहेल्थ साइन्सेस आमजन को अपनी सेहत के प्रति जागरूक रखने के लिये ट्रेनिंग ''इमरजेंसी 2013'' आयोजित करवाता है, जिसके अन्तर्गत किसी भी प्राकृतिक या शारीरिक आपदा एक्सीडेंट, फायर, सर्पदंश इत्यादि आपदा से निपटने की ट्रेनिंग दी जाती है। यह ट्रेनिंग स्कूल, फायर डिपार्टमेंट एवं ट्रैफिक पुलिस के लिये आयोजित की जा रही है। इसी श्रृंखला के अन्तर्गत यू.सी.एच.एस. द्वारा आज (मंगलवार) को इमरजेन्सी 2013 के द्वितीय चरण का आयोजन पुलिस लाइन सैक्टर-30 फरीदाबाद में ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों के लिये किया गया। ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों को आपदा से निपटने की ट्रेनिंग हार्ट सर्जन डॉ0 शैलेष जैन तथा डॉ0 चिरंजीव देब द्वारा दी गई। जिसमें ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों को यह विस्तार से समझाया गया कि यदि मरीज की हृदय गति रूक गई है तो किस प्रकार मरीज को पुर्नजीवित करने की कोशिश की जानी चाहिये। अगर मरीज की सांस रूक गई है तो किन-किन तरीकों से मरीज को कृत्रिम सांस दी जा सकती है। इसी क्रम में फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस के भी जवानों तथा अफसरों को बेसिक लाइफसेविंग ट्रेनिंग देने का बीड़ा उठाया है। शीघ्र ही फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस देश की पहली ट्रैफिक पुलिस होगी जो बेसिक लाइफसेविंग अनुभवी होगी। अगर मरीज का एक्सीडेंट हो गया है तो किस तरीके से गोल्डन हॉवर्स (30 मिनट) के दौरान मरीज की सहायता की जा सकती है। डॉ0 चिरंजीव ने बताया कि अगर यह सामान्य तरीके जिन्हें कोई भी आसानी से सीख सकता है। अगर आपदा के वक्त इनकी सहायता ले तो एक नई जान दी जा सकती है। यह ट्रैनिंग करीब 10-12 चरणों में होगी। एक चरण में करीब 25-30 लोगों को ट्रैनिंग दी जा रही है। मूलचंद एवं सर्वोदय के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलेष जैन के अनुसार यह ट्रेनिंग, फायर कर्मचारी, ट्रैफिक पुलिस, स्कूली छात्र-छात्राओं तथा फरीदाबाद, एन.सी.आर. के नर्सिंग होम के स्टाफ को दी जा रही है।